एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद प्रक्रिया तेज, 20 अप्रैल तक शुरू करने की तैयारी

नोएडा एयरपोर्ट से शुरू में घरेलू और कार्गो विमान उड़ान भरेंगे

प्रोजेक्ट अपडेट

■ आशीष धामा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) से सिर्फ घरेलू और कार्गो विमानों के लिए ही सुरक्षा मंजूरी मिली है। शुरुआत में ये दोनों विमान सेवाएं शुरू होंगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने में कुछ माह लग सकते हैं।

नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ के बाद 20 अप्रैल तक उड़ानें शुरू होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने एयरपोर्ट को सशर्त सुरक्षा मंजूरी दी है। सुरक्षा व्यवस्था को मानकों के अनुरूप करने के लिए 45 दिन का समय दिया है। ऐसी करीब 18 शर्तें हैं, जिनके आधार पर एयरोड्रम लाइसेंस जारी हुआ। साथ ही लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए भी चार शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। एयरोड्रम लाइसेंस जारी होने के बाद अब एयरपोर्ट प्रबंधन इंडिगो, एयर इंडिया और आकाशा एयरलाइंस को पत्र भेजेगा, ताकि वे टिकट बुकिंग शेड्यूल जारी कर सकें। आइटा की वेबसाइट पर भी जानकारी देनी होगी, ताकि दुनिया को नए एयरपोर्ट के संचालन में बारे में जानकारी हो सके। नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने से दिल्ली के आईजी आई और गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पर विमानों का दबाव कम होगा।

इन शहरों के लिए शुरू होंगी : शुरुआत में दस प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें उपलब्ध होने की उम्मीद है। इनमें चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अहमदाबाद, जयपुर आदि शामिल हैं। हालांकि, जब सब स्थिर हो जाएगा, तब 24 घंटे उड़ानें शुरू होंगी। एयरपोर्ट पर ऑपरेशनल रेडीनेस एंड एयरपोर्ट ट्रांसफर के तहत टर्मिनल ट्रायल किया जा चुका है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले चरण में बना रनवे। यह 3900 मीटर लंबा है। एयरपोर्ट पर चार चरणों में कुल पांच रनवे बनेंगे। • हिन्दुस्तान

> नोएडा एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने की सभी बाधाएं दूर हो गई हैं। डीजीसीए ने एयरपोर्ट के लिए एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर दिया। अब यहां से फ्लाइट को टेकऑफ और लैंड कराया जा सकेगा। जल्द ही पीएमओ से समय मिलने के बाद एयरपोर्ट का शुभारंभ होगा।
>
> **-आरके सिंह,** सीईओ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

छह माह के लिए लाइसेंस

डीजीसीए ने एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस जारी किया है। यह एयरपोर्ट का आधिकारिक दस्तावेज होता है। लाइसेंस मिलने से विमान टेकऑफ और लैंडिंग कर सकते हैं। एयरोड्रम लाइसेंस छह महीने के लिए दिया गया है। कॉमर्शियल ऑपरेशन के दौरान सभी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित होने पर स्थायी लाइसेंस जारी होगा।

अंतरराष्ट्रीय में देरी

एयरपोर्ट को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से सिर्फ घरेलू और कार्गो विमानों के लिए ही सुरक्षा मंजूरी मिली है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने में कुछ माह लग सकते हैं। साथ ही, कैट-3 जैसे उपकरण स्थापित न होने के चलते शुरुआत में सिर्फ दिन में ही उड़ानें शुरू होंगी।